पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———————

राज्यपाल की अध्यक्षता में ''रक्तदान को सम्मान 2024'' कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

———————

प्रत्येक महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय में ब्लड डोनेशन कैंप लगाएं

—राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———————

रक्तदान से समाज में अच्छा संदेश जाता है

— राज्य मंत्री श्री मयंकेश्वर शरण सिंह

———————

स्वैच्छिक रक्तदान, सुरक्षित रक्तदान है

— प्रमुख सचिव श्री पार्थसारथी सेन शर्मा

———————

युवाओं को रक्तदान हेतु शिक्षित एवं जागरूक करना चाहिए

— प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद

———————

लखनऊ : 14 जून, 2024

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में आज किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय लखनऊ में ''रक्तदान को सम्मान 2024'' कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल जी ने कहा कि रक्तदान महादान है एवं सभी को आगे बढ़कर यह पुनीत कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्त की जरूरत किसी को भी पड़ सकती है, रक्तदान करने से कभी पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने रक्तदान में सक्रिय विभिन्न चिकित्सा

संस्थानों व अन्य संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि धीरे–धीरे अब लोगों में समझदारी आ रही है और वे रक्तदान हेतु जागरूक हो रहे हैं।

राज्यपाल जी ने आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी से योग करने की अपील करते हुए कहा कि जहां–जहां योग के लिए कैंप लगाए जाएं वहां–वहां रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाए। उन्होंने रक्तदान के फायदे के बारे में बताते हुए कहा कि रक्तदान से रक्त की जांच होने से हमें बीमारियों का भी पता चलता है, जिसके निदान हेतु नियमित योग करने के लिए भी उत्प्रेरित होते हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के प्रत्येक महाविद्यालय, विश्वविद्यालय तथा जनपदीय कारागारों में ब्लड डोनेशन कैंप को लगाए जाने के निर्देश दिये।

राज्यपाल जी ने नियमित तौर पर रक्तदान करने वाली संस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि लक्ष्य तय करके पूरे देश और प्रदेश में रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाए व रक्तदान हेतु युवाओं को प्रेरित किया जाए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा0 राज्य मंत्री स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, श्री मयंकेश्वर शरण सिंह जी ने कहा कि रक्तदान का कार्य सभी व्यक्तियों के सामूहिक सहयोग से संभव है। रक्तदान से समाज में एक अच्छा संदेश जाता है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा श्री पार्थसारथी सेन शर्मा ने स्वैच्छिक रक्तदान को सुरक्षित रक्तदान बताया तथा कहा कि इससे स्वास्थ्य के साथ–साथ समर्पण की भावना का भी विकास होता है। उन्होंने प्रदेश में रक्तदान की प्रतिशतता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर कुलपति, के0जी0एम0यू0, प्रोफेसर सोनिया नित्यानंद ने 20वें विश्व रक्तदाता दिवस पर सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम स्वैच्छिक रक्तदान हेतु लोगों को आगे आने का संदेश देगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को रक्तदान हेतु शिक्षित एवं जागरूक करना है। श्रीमती नित्यानंद जी ने रक्तदान से होने वाले फायदों को भी गिनाया।

इस अवसर पर ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग, के0जी0एम0यू0 के विभागाध्यक्ष डॉ0 तूलिका चंद्रा ने कहा कि रक्तदान से कोई कमजोरी नहीं होती तथा नए खून से ज्यादा स्फूर्ति का संचार होता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षित रक्तदान की प्रतिशतता 30 से 40 प्रतिशत है, जिसे शत प्रतिशत करना है। उन्होंने विभाग की उपलब्धियों का विवरण देते हुए कहा कि यहां देश में सबसे ज्यादा रक्त का वार्षिक कलेक्शन होता है।

आज आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल महोदया द्वारा "रक्तदान को सम्मान" स्मारिका का विमोचन किया गया तथा रक्तदाताओं व संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, डॉ0 पिंकी जोवेल, रक्तदान में सक्रिय संस्थाओं के प्रतिनिधिगण, डॉक्टर्स, रक्तदातागण व अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कृष्ण कुमार / सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 9454468250